पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्यश्री के विहार की सूचना

0 ता. 12-11-19 को धूलिया से अक्कलकुआ की ओर विहार

0 ता. 23-11-19 को अक्कलकुआ में जिनमंदिर दादावाडी की अंजनशलाका प्रतिष्ठा एवं वासुपूज्य जिनमंदिर में प्रतिष्ठा

0 ता. 6-12-19 को सूरत पाल स्थित श्री शंखेश्वरा हाईट्स में जिनमंदिर की अंजनशलाका प्रतिष्ठा

0 ता. 16-12-19 से 25-12-19 अहमदाबाद से श्री शंखेश्वर महातीर्थ छह री पालित पद यात्रा संघ

0 ता. 8-01-20 से 12-01-20 तक श्री शंखेश्वर तीर्थ से पाटण तीर्थ छह री पालित पद यात्रा संघ

0 ता. 26-01-20 को कारोला में जीर्णोद्धारित शिखरबद्ध श्री नमिनाथ जिनमंदिर की प्रतिष्ठा

0 ता. 7-02-20 बालोतरा में कुमारी पायल बागरेचा भागवती दीक्षा

0 ता. 16-02-20 खेतासर में दादा गुरुदेव श्री जिनचन्द्रसूरि जन्मभूमि तीर्थ में जिनमंदिर दादावाडी की प्रतिष्ठा

0 ता. 26-02-20 बाडमेर में हाला संघ द्वारा निर्मित जिनमंदिर की अंजनशलाका प्रतिष्ठा

0 ता. 26-02-20 बाडमेर में कुमारी पूजा संखलेचा भागवती दीक्षा

सूरिमंत्र की चौथी व पांचवीं पीठिका संपन्न

धुले 20 अक्टुंबर। पूज्य गुरुदेव प्रज्ञापुरुष आचार्य भगवंत श्री जिनकान्तिसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य रत्न पूज्य गुरुदेव खरतरगच्छाधिपति अवंति तीर्थोद्धारक आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. ने सूरि मंत्र की चौथी एवं पांचवीं पीठिका की आराधना ता. 20 अक्टूबर को संपन्न की।

इस उपलक्ष्य में ता. 20 अक्टूबर को महामांगलिक का विशिष्ट आयोजन किया गया।

ता. 26 सितम्बर 2019 को पूज्यश्री ने चौथी मंत्र पीठिका में प्रवेश किया था। आठ दिवसीय चौथी पीठिका की पूर्णाहुति पर ता. 4 अक्टूबर को महापूजन का आयोजन

किया गया। उसी दिन पूज्यश्री ने पांचवीं मंत्राधिराज पीठिका में प्रवेश किया। चौथी पीठिका में पूज्यश्री ने गणिपिट्टक यक्षराज की एवं पांचवीं पीठिका में गुरु गौतमस्वामी की आराधना संपन्न की। ता. 20 अक्टूबर को सूरिमंत्र महापूजन का विधान किया गया।

पीठिका की पूर्णाहुति पर सकल श्री संघ के साथ पूज्यश्री प्रवचन सभा में पधारे। मांगलिक श्रवण करने के लिये देश विदेश से हजारों भक्तों का आगमन हुआ।

इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री मनितप्रभसागरजी म. ने सभा का संचालन किया। उन्होंने पूज्यश्री के गुणों का वर्णन करते हुए अपनी अभिनंदनाऐं प्रस्तुत की। उन्होंने कहा- आचार्य भगवंत को शासन सेवा व प्रभावना के लिये विशेष साधना करनी होती है। गुरु का सानिध्य सभी को समान रूप से वैसे ही प्राप्त होता है, जैसे हर फूल को महकने का अवसर प्राप्त होता है।

पूज्य मुनि श्री विरक्तप्रभसागरजी म. ने कहा- मुझे गुरुदेव की सेवा का अवसर जो प्राप्त हो रहा है, यह परम सौभाग्य की बात है। आगे भी मुझे आपकी सेवा मिलती रहे, यही प्रार्थना करता हूँ। पूज्य मुनि श्री महितप्रभसागरजी म. ने मराठी भाषा में वक्तव्य देते हुए कहा- मैं सौभाग्यशाली हूँ कि मुझे गुरुदेव का सानिध्य प्राप्त हुआ। जैसे आग में तप कर सोना कुन्दन बनता है, वैसे ही गुरुदेव भी तप-जप की साधना में निखरते हैं। पू. साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी म. ने सूरि मंत्र साधना हेतु पूज्यश्री को वर्धापना अर्पण की। उन्होंने कहा- गुरुदेव जैसे शास्त्रें में पारगामी हैं, वैसे ही भक्ति भावों में भी उतने ही प्रवीण हैं। आपश्री के गुणों का क्या वर्णन करूँ, आपका हम अभिनंदन करते हैं।

इस अवसर पर संघवी विजयराजजी डोसी बैंगलोर, दिलीपजी गांधी जलगांव, रमेशजी बोथरा चेन्नई, सुश्री नेहा नाहर धूलिया, पदमजी बरडिया दुर्ग, जगद्गुरु मंडल धूलिया, सुरेश लूणिया, श्रुति कांकरिया, कीर्ति गोलेच्छा, भाग्येशकुमार आदि ने अपने भाव अभिव्यक्त किये। धूलिया संघ के अध्यक्ष श्री प्रेमचंदजी नाहर ने सभी का स्वागत किया एवं पूज्यश्री की साधना के प्रति अहोभाव अभिव्यक्त किया।

मुंबई बाडमेर निवासी श्री भंवरलालजी विरधीचंदजी छाजेड ने गुरुपूजन का लाभ प्राप्त किया। पूज्यश्री ने महामांगलिक के पश्चात् सूरिमंत्र साधना का विवेचन किया।

महामांगलिक के अवसर पर जलगांव, कारोला, सांचोर, चितलवाना, मुंबई, सूरत, नवसारी, नंदुरबार, दोंडाइचा, शहादा, खेतिया, तलोदा, अक्कलकुआं, खापर, सेलंबा, अमलनेर, धरणगांव, चोपडा, इन्दौर, उज्जैन, मालेगांव, नाशिक, बाडमेर, चोहटन, जैसलमेर, चेन्नई, बैंगलोर, अहमदाबाद, बडौदा, दुर्ग, रायपुर, धमतरी, भिवंडी, पाली,

बालोतरा, हैदराबाद, ब्यावर, जयपुर, खिमेल, बिजयनगर, जसोल, बडवाह आदि कई शहरों से संघ व श्रद्धालु लोगों का बडी संख्या में पधारना हुआ।

बालोतरा से पधारे सुप्रसिद्ध संगीतकार अनिल सालेचा ने वातावरण को भक्ति मय बना दिया।

कुमारी पायल बागरेचा की भागवती दीक्षा 7 फरवरी को

धुले 20 अक्टुंबर। बालोतरा निवासी श्री अशोककुमारजी सौ. मंजुदेवी की सुपुत्री कुमारी पायल बागरेचा की भागवती दीक्षा माघ शुक्ल 13, ता. 7 फरवरी 2020 को बालोतरा में संपन्न होगी।

बागरेचा परिवार महामांगलिक के अवसर पर ता. 20 अक्टूबर को पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. से विनंती करने उपस्थित हुआ।

सकल श्री संघ की साक्षी से श्री अशोककुमारजी ने अपनी पुत्री को दीक्षा ग्रहण करने की आज्ञा प्रदान की और पूज्यश्री से मुहूर्त्त प्रदान करने का निवेदन किया।

मुमुक्षु पायल बागरेचा ने अपने हृदय के भाव अभिव्यक्त करते हुए कहा- मेरे परिवार जनों का यह अनंत उपकार है कि उन्होंने मुझे संयम की आज्ञा प्रदान की।

इस अवसर पर मुमुक्षु पायल के जीजाजी श्री मुकेशजी लूंकड ने भी अपने भाव अभिव्यक्त किये।

पूज्यश्री ने निश्रा प्रदान करने की विनंती स्वीकार कर माघ शुक्ल 13, ता. 7 फरवरी 2020 का शुभ मुहूर्त्त प्रदान किया। मुमुक्षु पायल बागरेचा पूजनीया महत्तरा समुदायाध्यक्षा श्री चंपाश्रीजी म.सा. की शिष्या पूजनीया साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी म. की शिष्या बनेगी।

कारोला अंजनशलाका प्रतिष्ठा ता. 26 जनवरी 2020

धुले 20 अक्टुंबर। महामांगलिक के पावन अवसर पर धूलिया नगर में कारोला श्री संघ उपस्थित हुआ। श्री संघ ने पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. से प्रतिष्ठा कराने की तथा मुहूर्त्त प्रदान करने का निवेदन किया।

पूज्यश्री ने उनकी विनंती स्वीकार कर माघ शुक्ल 2, ता. 26 जनवरी 2020 का शुभ मुहूर्त्त प्रदान किया।

कारोला गाँव सांचोर के पास स्थित है। यहाँ नमिनाथ परमात्मा का मंदिर है। उसका आमूलचूल जीर्णोद्धार पूज्यश्री की पावन निश्रा में हुआ है। शुभ मुहूर्त्त प्राप्त कर श्री संघ में परम उल्लास व आनंद का वातावरण छा गया। जय जय कार की ध्वनि से मुहूर्त्त को बधाया।

गिरनार तीर्थ में बनेगा खरतरगच्छ का विशाल परिसर

लाभ लिया डोसी परिवार ने

गिरनार तीर्थ में बनेगा खरतरगच्छ का विशाल परिसर

लाभ लिया डोसी परिवार ने

धुले 20 अक्टुंबर। गिरनार तीर्थ में विशाल भूखण्ड क्रय कर वहाँ जिनमंदिर, दादावाडी, भैरव मंदिर, धर्मशाला, भोजनशाला, उपाश्रय आदि का निर्माण किया जायेगा।

भूखण्ड से लेकर संपूर्ण निर्माण का लाभ संघमाता इचरजदेवी चंपालालजी डोसी के आशीर्वाद से संघवी श्री सुगनचन्दजी प्रेमचन्दजी विजयराजजी सौ. प्रेमलतादेवी, पुत्र हंसराजजी सौ. अरुणा, कुशलराजजी सौ. पमिता, प्रियंका प्राक्षि भाविक, बेटा पोता पडपोता श्री चन्दनमलजी डोसी परिवार खजवाणा-बैंगलोर वालों ने लिया है।

यह घोषणा धूलिया नगर में पूज्य गुरुदेव श्री के महामांगलिक अवसर पर की गई।

पूज्य आचार्यश्री ने फरमाया- संघवी श्री विजयराजजी हमारे संघ व गच्छ के आगेवान सुश्रावक है। हमारे प्रति अनन्य भक्ति है। आपने बैंगलोर में उपधान तप का आयोजन करवाया। खजवाणा से नाकोडाजी तीर्थ का पैदल संघ आयोजित किया। इसके अलावा हर स्थान पर उनका योगदान रहता है। पालीताना में संपन्न हुए वर्षीतप पारणा महोत्सव उनके ही संयोजनत्व में संपन्न हुआ। बाडमेर कुशल वाटिका की प्रतिष्ठा में आपका मार्गदर्शन रहा। चार वर्ष पूर्व पालीताना में संपन्न हुए विराट् खरतरगच्छ महासम्मेलन को सफल बनाने में आपका बडा योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने की आपकी विशिष्ट कला है। संघवी श्री विजयराजजी ने इसे पूज्यश्री का ही आशीर्वाद बताया और कहा- यह उनकी कृपा का ही परिणाम है।

संघ की ओर से डोसी परिवार का अभिनंदन किया गया।

जैसलमेर दुर्ग के जिनालयों का ध्वजारोहण

जैसलमेर 1 नवंबर। श्री जैसलमेर लोद्रवपुर पार्श्वनाथ जैन श्वे. ट्रस्ट जैसलमेर द्वारा दुर्ग स्थित जिनालयों में पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. के शिष्य पूज्य मुनिराज श्री मयंकप्रभसागरजी महाराज एवं आर्य मेहुलप्रभसागरजी महाराज की निश्रा में मंत्रेच्चार के साथ जिनेश्वर देव की प्रतिमाओं के अठारह अभिषेक किए गए।

दि. 1 नवंबर को नूतन ध्वजाओं की शोभायात्रा जैन भवन से शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई गाजे बाजे के साथ सकल जैन संघ सहित दुर्ग पहुंची। जिनालय के शिखरों पर मूलनायक चिंतामणी पार्श्वनाथ भगवान के साथ ही 96 ध्वजाएं मुख्य लाभार्थी अनिल त्रिभुवनदास शाह परिवार नवसारी वालों द्वारा चढाई गई। आर्य मेहुलप्रभसागर महाराज ने कहा कि जीवन में चढती हुई ध्वजा एवं स्थापित होती प्रतिमा दर्शन का अवसर प्रबल पुण्योदय के प्रभाव से प्राप्त होता है और ज्ञान पंचमी के शुभ दिवस एक साथ इतनी संख्या में यह अवसर प्राप्त करके जो पुण्य का संचय हुआ है वह आत्मा को मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर करेगा। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र भाई बाफना द्वारा किया गया। पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र भंसाली ने उपस्थित सकल संघ को जैसलमेर तीर्थ विकास में पूर्ण सहयोग हेतु आग्रह किया। दुर्ग प्रभारी अर्जुन भंसाली ने लाभार्थी परिवार का बहुमान कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष शेरसिंह राखेचा, सहमंत्री नेमीचंद जैन, ट्रस्टी आनंद राखेचा, मनोज राखेचा, महेन्द्र भाई बाफना, मनोज जिंदाणी, तरुण जिंदाणी सहित मुख्य व्यवस्थापक विमल जैन, दीपक कोटेचा आदि मौजूद थे। विधिविधान सुनील भाई द्वारा संपन्न करवाया गया।

-पवन कोठारी, जैसलमेर

श्री जिनहरि विहार, पालीताना की मीटींग संपन्न

श्री राजेन्द्रजी संचेती, जयपुर ट्रस्टी बने

धुले 21 अक्टुंबर। श्री जिनहरिविहार समिति, पालीताना की बैठक पूज्य गच्छाधिपति आचार्यश्री की निश्रा व समिति के अध्यक्ष संघवी श्री विजयराजजी डोसी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। महामंत्री श्री बाबुलालजी लूणिया ने गत सभा की कार्यवाही

पढी, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोषाध्यक्ष श्री पुखराजजी तातेड ने वार्षिक लेखाजोखा प्रस्तुत किया। वहाँ चल रहे निर्माण कार्य की समीक्षा की गई। जयपुर निवासी श्री राजेन्द्रजी संचेती को ट्रस्टी के रूप में सम्मिलित किया गया। आवश्यक चर्चा विचारणा के उपरान्त बैठक का समापन किया गया।

श्री जीरावला दादावाडी ट्रस्ट की मीटींग संपन्न

धुले 22 अक्टुंबर। श्री जीरावला तीर्थ में निर्माणाधीन दादावाडी की मीटींग पूज्य गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की निश्रा में टस्ट के अध्यक्ष श्री प्रवीणजी संखलेचा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें सर्वप्रथम जीरावला मंदिर दादावाडी के संपूर्ण भूमिदाता श्री अरविन्दजी कालुचंदजी कसाजी श्रीश्रीश्रीमाल परिवार के भावों की अनुमोदना की गई।

बैठक में जिन मंदिर के मानचित्र पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही धर्मशाला भोजनशाला आदि के निर्माण हेतु चर्चा विचारणा की गई।

पुस्तक विमोचन

धुले 20 अक्टुंबर। पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में महामांगलिक आयोजन के दिन ता. 20 अक्टूबर 2019 को पूज्य मुनि श्री मनितप्रभसागरजी म. द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया।

अन्तर्यात्रा नामक पुस्तक के विमोचन का लाभ बाडमेर-मालेगांव निवासी श्री मांगीलालजी सौ. सुमित्रादेवी मालू परिवार ने लिया। दूसरी अन्तर्नाद नामक पुस्तक के विमोचन का लाभ धमतरी निवासी श्री नवरतनमलजी पन्नालालजी गोलेच्छा परिवार ने लिया। जबकि तीसरी पुस्तक खरतरगच्छ गौरव गाथा के विमोचन का लाभ जयपुर निवासी श्री सिरहमलजी ताराचंदजी संचेती परिवार के श्री राजेन्द्रजी संचेती ने लिया। यह ज्ञातव्य है कि संचेती परिवार श्री जिनहरि विहार धर्मशाला का भूमिदाता परिवार है।

प्रेषक-
जहाज मंदिर कार्यालय